**HIGH COURT OF MADHYA PRADESH : JABALPUR**

**Proposed Model Answer along with Question Paper of Online Preliminary Exam of Civil Judge, Junior Division (Entry Level)**

**Exam - 2022**

## विधि (Total - 120 Questions) (Q. No. 1 - 120)

1. भारत का संविधान-संविधान के अनुच्छेद 332 के अंतर्गत, प्रत्येक राज्य की विधान सभा में अनुसूचित जातियों के लिए और ..... के स्वशासी जिलों की अनुसूचित जनजातियों को छोडकर अन्य अनुसूचित जनजातियों के लिए स्थान आरक्षित रहेंगे।

A. असम

B. नागालैंड

C. मिजोरम

D. त्रिपुरा

2. भारत का संविधान-भारत के संविधान का निम्नलिखित में से कौन सा अनुच्छेद यह प्रावधान करता है कि "लोक सभा की किसी बैठक में, जब अध्यक्ष को उसके पद से हटाने का संकल्प विचाराधीन है तब अध्यक्ष, या जब उपाध्यक्ष को उसके पद से हटाने का कोई संकल्प विचाराधीन है तब उपाध्यक्ष, उपिस्थत रहने पर भी, पीठासीन नहीं होगा" ?

A. अनुच्छेद 94

B. अनुच्छेद 96

C. अनुच्छेद 97

D. अनुच्छेद 98

3. भारत का संविधान-सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राजबाला बनाम हरियाणा राज्य (2016) 2 एस सी सी 445 के मामले में दिये गये अभिमत के अनुसार भारत के संविधान के भाग IX के समावेशन के उपरांत "वोट देने का अधिकार" और "चुनाव लड़ने का अधिकार", है-

A. मौलिक अधिकार

B. संवैधानिक अधिकार

C. लोकतांत्रिक अधिकार

D. केवल लोकतांत्रिक अधिकार, मौलिक या संवैधानिक अधिकार नहीं

4. भारत का संविधान-निम्नलिखित में से किस निर्णय में यह अवधारित किया गया था कि अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालयों को प्रदत्त क्षेत्राधिकार को प्रशासनिक न्यायाधिकरण द्वारा प्रतिस्थापित किया जा सकता है यदि यह उच्च न्यायालय से कम प्रभावशाली नहीं है?

A. एस.पी. संपत कुमार बनाम भारत संघ एवं अन्य (1987) 1 एस सी सी 124

B. एल चंद्र कुमार बनाम भारत संघ (1997) 3 एस सी सी 261

C. विशेष न्यायालय विधेयक (1979) 1 एस सी सी 380

D. एस. आर. बोम्मई बनाम भारत संघ (1994) 3 एस सी सी 1

5. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-न्यायालय वाद की प्रथम सुनवाई में -

A. केवल वादप्रश्न विरचित कर सकता है।

B. किसी भी पक्ष को दूसरे पक्ष का प्रतिपरीक्षण करने की अनुमति दे सकता है।

C. पक्षकारों में से ऐसे पक्षकारों की जो न्यायालय में स्वयं उपसंजात हैं या उपस्थित हैं, वाद में विवादग्रस्त बातों के विशदीकरण की दृष्टि से मौखिक परीक्षा करेगा।

D. विरोधी पक्षकारों की परीक्षा करने के लिए लिखित परिप्रश्न परिदत्त करने की अनुमति देगा।

6. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के किस प्रावधान के अंतर्गत वाद खारिज करने की दशा में वादी को उसी वाद हेतुक पर नया वाद लाने से प्रवारित कर दिया जाएगा -

A. आदेश IX नियम 2 के अंतर्गत

B. आदेश XI नियम 21 के अंतर्गत

C. आदेश IX नियम 3 के अंतर्गत

D. आदेश XI नियम 3 के अंतर्गत

7. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-एक 'गार्निशी है-

A. निर्णीत ऋणी

B. निर्णीत ऋणी का ऋणी

C. निर्णीत ऋणी का लेनदार

D. निर्णीत ऋणी के लिए वित्त पोषक

8. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 का कौन सा प्रावधान पुनर्विलोकन के आवेदन पर किये गये आदेश के या पुनर्विलोकन में पारित डिक्री या किये गये आदेश के पुनर्विलोकन के लिये कोई भी आवेदन ग्रहण करने को वर्जित करता हे?

A. धारा 11

B. धारा 10

C. आदेश XLVII नियम 9

D. आदेश IX नियम 9

9. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-कोई वाद इस कारण से विफल हो सकता है -

A. उचित पक्षकार के असंयोजन से।

B. आवश्यक पक्षकार के कुसंयोजन से।

C. आवश्यक पक्षकार के असंयोजन से।

D. उचित पक्षकार के कुसंयोजन से।

10. Code of Civil Procedure, 1908 - Which provision prescribes that every suit shall include the whole of the claim which the plaintiff is entitled to make in respect of the cause of action?

A. Order 2 Rule 7

B. Order 2 Rule 1

C. Order 2 Rule 2

D. Order 2 Rule 6

10. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-कौन सा प्रावधान उपबंधित करता है कि हर वाद के अंतर्गत पूरा दावा होगा जिसे कि उस वाद-हेतुक के विषय में करने वादी हकदार है ?

A. आदेश 2 नियम 7

B. आदेश 2 नियम 1

C. आदेश 2 नियम 2

D. आदेश 2 नियम 6

11. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-निम्नलिखित शब्दों में से कौन सा सिविल प्रक्रिया संहिता में परिभाषित नहीं किया गया है?

A. वाद

B. विहित

C. नियम

D. विदेशी

12. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के आदेश VII नियम 1 के अंतर्गत, एक वाद में निम्नलिखित विशिष्टयां शामिल नहीं होंगी:-

A. वे तथ्य जिनसे वाद हेतुक गठित है।

B. साक्ष्य का कथन।

C. यह दर्शित करने वाले तथ्य कि न्यायालय को अधिकारिता है।

D. उस न्यायालय का नाम जिसमें वाद लाया गया है।

13. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-निम्नलिखित में से किस मामले में न्यायालय कमीशन जारी नहीं कर सकता है ?

A. किसी व्यक्ति की परीक्षा करने के लिए।

B. अनुसचिवीय कार्य करने के लिए।

C. वैज्ञानिक, तकनीकी या विशेषज्ञ अन्वेषण के लिए।

D. साक्ष्य एकत्र करने हेतु ।

14. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 सह-प्रतिवादियों के मध्य पूर्वन्याय के सिद्धांत को लागू करने के लिए निम्नलिखित में से कौन सी शर्तों की पूर्ति होना आवश्यक है?

I. संबंधित प्रतिवादियों के बीच हितों का टकराव होना चाहिए।

II वादी द्वारा चाहे गये अनुतोष को प्रदान करने के

लिए यह विवाद का निराकरण अवश्य ही होना चाहिए।

III. प्रतिवादियों के मध्य विवाद का अंतिम रूप से विनिश्चय हो गया हो।

IV. सह-प्रतिवादी पूर्व मुकदमे में आवश्यक या उचित पक्ष थे।

A. केवल I, II एवं III

B. केवल II, III एवं IV

C. केवल I, II एवं IV

D. I, II, III एवं IV

15. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-आदेश XXI के नियम 46ख, नियम 46ग या नियम 46ङ के अधीन किया गया कोई आदेश -

A. आदेश के रूप में अपीलनीय होगा।

B. डिक्री के रूप में अपीलनीय होगा।

C. आदेश न्यायालय के विवेक के अधीन अपीलनीय होगा।

D. आदेश के विरुद्ध मात्र पुनरीक्षण होगी।

16. संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882- क 5,000 रुपए ख को इस शर्त पर अंतरित करता है कि वह ग, घ और ङ की सम्मति से विवाह करेगा। निम्न में से किन परिस्थितियों में यह समझा जावेगा कि उसने शर्त का सारतः अनुपालन कर दिया है-

(1) ग, घ और ड की सम्मति के बिना ख विवाह करता है किंतु विवाह के पश्चात् उनकी सम्मति अभिप्राप्त कर लेता है।

(2) ङ की मृत्यु हो जाती है तब ग और घ की सम्मति से ख विवाह करता है।

(3) ग. घ और ड की सम्मति के बिना ख विवाह करता है और न ही विवाह पश्चात् उनकी सम्मति प्राप्त करता है।

A. केवल (1) व (2)

B. केवल (2) व (3)

C. केवल (2)

D. केवल (1)

17. संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882- रिक्त स्थान में भरे जाने वाले सही विकल्प को चुने-

जहां कि सम्पत्ति के किसी अन्तरण के निबन्धन निर्दिष्ट करते हैं कि उस सम्पत्ति से उद्भूत आय अन्तरक के जीवन से, या अन्तरण की तारीख से ---------- की कालावधि से अधिक कालावधि तक पूर्णतः या भागतः संचित की जाएगी, वहां, एतस्मिनपश्चात् यथा उपबंधित के सिवाय ऐसा निदेश वहां तक शून्य होगा, जहाँ तक कि वह कालावधि, जिसके दौरान संचय करना निर्दिष्ट निर्दिष्ट है, पूर्वोक्त कालावधियों में से दीर्घतर कालावधि से अधिक हो।

A. 18 वर्ष

B. 16 वर्ष

C. 21 वर्ष

D. 24 वर्ष

18. संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 - जहां कि दाता की पूरी संपत्ति का दान है वहां आदाता दान के समय के दाता के सब शोध्य ऋणों और दायित्वों के लिए वैयक्तिक रूप से किस सीमा तक दायी है ?

A. दान में समाविष्ट संपत्ति के विस्तार तक।

B. किसी भी विस्तार तक दायी नहीं है।

C. केवल उस संपत्ति के विस्तार तक, जिस पर बाध्यता का बोझ है।

D. दाता के सभी दायित्वों के विस्तार तक।

19. संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 किसी संपत्ति को जनता के लाभ के लिए -------- अग्रसर करने के लिए अनंत काल के लिए अंतरित किया जा सकता है।

A. धर्म, ज्ञान, वाणिज्य, स्वास्थ्य।

B. धर्म, ज्ञान, विक्रय एवं क्रया।

C. धर्म, ज्ञान, रक्षा और विक्रय एवं क्रय।

D. वाणिज्य, स्वास्थ्य, विक्रय एवं क्रय।

20. भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 किस मामले में यह अधिनिर्णीत किया गया कि टेलीफोन पर किया गया अनुबंध उस स्थान पर पूरा हो जाता है जहां स्वीकृति सुनी जाती है?

A. सत्यव्रत घोष बनाम मुगुनीराम बांगुर एण्ड कंपनी एवं एक अन्य

B. कालिल बनाम कार्बोलिक स्मोक बॉल कंपनी

C. भगवानदास गोवर्धनदास केडिया या बनाम गिरधारीलाल पुरुषोत्तमदास एण्ड कंपनी एवं अन्य

D. पश्चिम बंगाल राज्य बनाम बी.के. मंडल एंड संस

21. भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 - क्या किसी घुड़दौड़ के विजेता को प्रदेय धनराशि मद्धे चन्दा देने के करार के अंतर्गत राशि वसूली हेतु वाद प्रचलनशील होगा ?

A. हाँ, सिर्फ तभी जब राशि 500 रूपये से अधिकान हो।

B. हाँ, सिर्फ तभी जब राशि 500 रूपये या उससे अधिक हो।

C. नहीं, चूंकि करार पंद्यम के तौर पर शून्य है।

D. नहीं, चूंकि यह धारा 294- क भारतीय दण्ड संहिता (1860 का 45) के अंतर्गत अपराध है।

22. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 'ए' को उसके भाई 'ब' द्वारा पैतृक सम्पत्ति से उसके स्वत्व का प्रात्याख्यान करते हुए बेदखल किया गया। मात्र घोषणा का दावा -

A. पोषणीय है।

B. क्षतिपूर्ति के अनुतोष सहित पोषणीय है।

C. सिविल अधिकारिता के बाह्य है।

D. कोई अतिरिक्त अनुतोष जो वादी मांगने के योग्य है के साथ मात्र ही पोषणीय है।

23. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 - विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 का विस्तार है-

A. जम्मू-कश्मीर राज्य के सिवाय संपूर्ण भारत पर।

B. सम्पूर्ण भारत पर।

C. केवल राज्यों के राजधानी शहरों तक।

D. केंद्रशासित प्रदेशों को छोड़कर संपूर्ण भारत पर।

24. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 - न्यायालय द्वारा किसी संविदा का विनिर्दिष्ट पालन किन उपबंधों के अधीन रहते हुए कराया जायेगा?

A. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 की धारा 12 की उपधारा (3), धारा 14 क और धारा 15 में अंतर्विष्ट उपबंधो के अधीन

B. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 की धारा 12 की उपधारा (2), धारा 13 और धारा 15 में अंतर्विष्ट उपबंधो के अधीन

C. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 की धारा 11 की उपधारा (2), धारा 14 और धारा 16 में अंतर्विष्ट उपबंधो के अधीन

D. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 की धारा 11 की उपधारा (1), धारा 12 और धारा 13 में अंतर्विष्ट उपबंधो के अधीन

25. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963 -कोई भी व्यक्ति जिसका जंगम सम्पत्ति की किसी भी विशिष्ट वस्तु पर कब्जा अथवा नियंत्रण है जिसका वह स्वामी नहीं है, वह उसके अव्यवहित कब्जे के हकदार व्यक्ति को निम्नलिखित दशाओं में से किस दशा में उसका विनिर्दिष्टतः परिदान करने के लिए विवश किया जा सकेगा ?

A. जबकि दावाकृत वस्तु प्रतिवादी द्वारा वादी के अभिकर्ता अथवा न्यासी के रूप में धारित हो।

B. जबकि दावाकृत वस्तु की हानि के लिए धन के रूप में प्रतिकर वादी को यथायोग्य अनुतोष पहुंचाता हो।

C. जबकि उसकी हानि से कारित वास्तविक नुकसान का अभिनिश्चय करना अत्यन्त आसान हो।

D. जबकि दावाकृत वस्तु का कब्जा वादी के पास से अधिकारपूर्वक अन्तरित कराया गया हो।

26. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963-अवसंरचना परियोजना से संबंधित संविदा के लिए विशेष उपबंध का प्रावधान किस धारा में किया गया है ?

A. धारा 20

B. धारा 20 क

C. धारा 21

D. धारा 22

27. परिसीमा अधिनियम, 1963 परिसीमा अधिनियम, 1963 का कौन सा प्रावधान 'विधिक निर्योग्यता' से संबंधित है ?

A. धारा 5

B. धारा 6

C. धारा 13

D. धारा 4

28. परिसीमा अधिनियम, 1963 - जहां प्रतिवादी ने मुजरा के तौर पर दावा प्रस्तुत किया है, वहां यह समझा जाएगा कि ऐसा दावा मुजरे की दशा में, उस तारीख को संस्थित किया गया है -

A. जिस तारीख को लिखित कथन प्रस्तुत किया गया है।

B. जिस तारीख को प्रतिवादी 'पर समन का निर्वहन हुआ है।

C. जिस तारीख को वह वाद संस्थित किया गया है, जिसमें मुजरे का अभिवचन किया गया है।

D. जिस तारीख को जब वाद की प्रथम सुनवाई की गई है।

29. म.प्र. स्थान नियंत्रण अधिनियम, 1961- भाड़ा नियंत्रक प्राधिकारी के समक्ष की कोई भी कार्यवाही 'न्यायिक कार्यवाही' निम्न में से किन धाराओं के अर्थ के अन्तर्गत समझी जायेगी -

A. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1898 (1898 का संख्याक 5) की धारा 180 तथा 182

B. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1973 का अधिनियम संख्याक 2) की धारा 180 तथा 182

C. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 (1860 का संख्यांक 45) की धारा 193 तथा 228

D. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 (1973 का अधिनियम संख्याक 2) की धारा 186 तथा 190

30. म.प्र. स्थान नियंत्रण अधिनियम, 1961- निम्न में से कौन सा प्रथम अपील में पारित किये गये किसी आदेश के विरूद्ध द्वितीय अपील का आधार नहीं है?

A. यह कि विनिश्चय विधि के प्रतिकूल है।

B. यह कि विनिश्चय विधि का बल रखने वाली प्रथा के प्रतिकूल है।

C. यह कि इस अधिनियम द्वारा यथा विहित प्रक्रिया में कोई सारवान गलती हुई है जिससे मामले का विनिश्चय गुणागुण के आधार पर होने में संभवतः गलती हो गई है।

D. यह कि तथ्यों की विवेचना समुचित तौर से नहीं होने से विनिश्चय असफल हो गया है।

31. म.प्र. स्थान नियंत्रण अधिनियम, 1961- यदि मानक भाड़ा नियत करने के लिये धारा 10 के अधीन कोई आवेदन किया जाता है तो भाड़ा नियंत्रक प्राधिकारी, उस आवेदन पर अन्तिम विनिश्चय होने तक एक अनन्तिम आदेश जारी करेगा उसमें किस भाड़े की रकम विनिर्दिष्ट की जायेगी?

A. अन्तरिम भाड़ा

B. अंतिम भाड़ा

C. विधिपूर्ण भाड़ा

D. मानक भाड़ा

32. म.प्र. स्थान नियंत्रण अधिनियम, 1961- जहाँ किसी अभिधारी की बेदखली के लिये कोई आदेश धारा 12 की उपधारा (1) के खण्ड (ड) में विनिर्दिष्ट आधार पर किया जाये वहाँ भू-स्वामी उसका कब्जा किस कालावधि का अवसान होने के पूर्व पाने का हकदार नहीं होगा?

A. आदेश की तारीख से एक मास।

B. आदेश की तारीख से छः मास।

C. आदेश की तारीख से तीन मास।

D. आदेश की तारीख से दो मास।

33. म.प्र. स्थान नियंत्रण अधिनियम, 1961- यदि कोई भू-स्वामी धारा 23-छ की उपधारा (3) या उपधारा (4) के उपबंधों के उल्लंघन में संपूर्ण स्थान या उसके किसी भाग को पुनः भाड़े पर देगा या अंतरित करेगा तो वह निम्न में कौन सी शास्ति से दण्डनीय होगा?

A. कारावास से, जिसकी अवधि एक मास तक हो सकेगी, या जुमनि से, जो एक हजार तक का हो सकेगा, या दोनों से।

B. कारावास से, जिसकी अवधि तीन मास तक हो सकेगी, या जुमनि से, जो एक हजार तक का हो सकेगा, या दोनों से।

C. कारावास से, जिसकी अवधि एक मास तक हो सकेगी, या जुमनि से, जो तीन हजार तक का हो सकेगा, या दोनों से।

D. कारावास से, जिसकी अवधि तीन मास तक हो सकेगी, या जुमनि से, जो तीन हजार तक का हो सकेगा, या दोनों से।

34. म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959-भूमिस्वामी द्वारा अपने खाते में समाविष्ट किसी भूमि पर खड़े हुये वृक्षों का, उपज छोड़कर, अंतरण करने का क्या प्रभाव होगा ?

A. अंतरण शून्य होगा, जब तक भूमि ही अन्तरित न कर दी जाये।

B. अन्तरण वैध होगा।

C. वृक्ष से आच्छादित भूमि की सीमा तक अंतरण वैध होगा।

D. न्यायालय के आदेश के अधीन, वैध होगा।

35. म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959 - कोई व्यक्ति राजस्व मण्डल के सदस्य के रूप में नियुक्ति के लिए तक अर्हित नहीं होगा, जब तक कि वह-

A. राजस्व अधिकारी न रह चुका हो, और कलेक्टर की पद श्रेणी से अनिम्न श्रेणी का पद कम से कम पाँच वर्ष तक धारण न कर चुका हो।

B. राजस्व अधिकारी न रह चुका हो, और कलेक्टर की पद श्रेणी से अनिम्न श्रेणी का पद कम से कम दस वर्ष तक धारण न कर चुका हो।

C. राजस्व अधिकारी न रह चुका हो, और कलेक्टर की पद श्रेणी से अनिम्न श्रेणी का पद कम से कम तीन वर्ष तक धारण न कर चुका हो।

D. राजस्व अधिकारी न रह चुका हो, और कलेक्टर की पद श्रेणी से अनिम्न श्रेणी का पद कम से कम सात वर्ष तक धारण न कर चुका हो।

36. म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959 - धारा 165 की उपधारा (6) के खण्ड (दो) के अन्तर्गत किस राजस्व अधिकारी की अनुज्ञा आवश्यक है?

A. सब डिविजनल मजिस्ट्रेट की पदश्रेणी से अनिम्न पद श्रेणी के राजस्व अधिकारी की

B. कलेक्टर की पदश्रेणी से अनिम्न पद श्रेणी के राजस्व अधिकारी की

C. आयुक्त की पदश्रेणी से अनिम्न पद श्रेणी के राजस्व अधिकारी की

D. तहसीलदार की पदश्रेणी से अनिम्न पद श्रेणी के राजस्व अधिकारी की

37. म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959- जहां तहसीलदार के समक्ष बंटवारे की कार्यवाही प्रस्तुत की जाती है तथा उसमें हक संबंधी प्रश्न उठाया जाता है तो तहसीलदार -

A. अधिकार अभिलेख में अभिलिखित प्रविष्टियों के आधार पर सम्पत्ति के बंटवारे की कार्यवाही करेगा।

B. कार्यवाही को तीन माह तक की अवधि के लिए रोक देगा जिससे हक के प्रश्न के अवधारण के लिए सिविल वाद का संस्थित किया जाना सुकर हो जाये।

C. स्वत्व के निर्धारण हेतु तथा उक्तानुसार सम्पत्ति के बंटवारे हेतु कार्यवाही को व्यवहार न्यायालय भेज देगा।

D. बंटवारे की कार्यवाही को निरस्त कर देगा क्योंकि स्वत्व का निर्धारण न होने तक बंटवारा संभव नहीं है।

38. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 क 100,000 रुपये में "मेरी सफेद कार" बेचने का करार करता है। 'क' के पास दो सफेद कार हैं। उन तथ्यों का, जो यह दर्शित करते हैं कि उनमें से कौन सी कार अभिप्रेत थी, साक्ष्य -

A. दिया जा सकेगा।

B. नहीं दिया जा सकेगा।

C. नहीं दिया जाएगा।

D. केवल दस्तावेजी हो सकेगा।

39. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 -भारत में मृत्युकालिक कथन से संबंधित कानून के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

i. मृत्युकालिक कथन केवल मजिस्ट्रेट द्वारा ही दर्ज किया जा सकता है।

ii. पूरी घटना का वर्णन आवश्यक नहीं है।

iii. साक्षी की मानसिक स्थिति के संबंध में चिकित्सक का प्रमाणीकरण इसकी विश्वसनीयता को बढ़ाता है।

iv. यह मृतक के कथन को प्रत्यक्षदर्शी साक्षी की मौखिक साक्ष्य के बराबर रखता है।

A. केवल i,ii और iii सही हैं।

B. केवल ii और iii सही हैं।

C. केवल i और iii सही हैं।

D. केवल ii,iii और iv सही हैं।

40. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872-अ ने न्यायालय में सबूत के तौर पर उपयोग के लिए निम्न दस्तावेज़ प्राप्त कर लिए हैं। इनमें से कौन सा दस्तावेज़ साक्ष्य में अग्राह्य हैं:

I. अनुचित साधनों द्वारा प्राप्त किया गया दस्तावेज।

II. अवैध साधनों द्वारा प्राप्त किया गया दस्तावेज।

A. I और II दोनों

B. केवल I

C. केवल II

D. न तो I और न II

41. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872- यदि किसी रूढि को न्यायालय में साबित किया जाना है, तो भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के निम्नलिखित प्रावधान प्रासंगिक हो जाते हैं:

I. धारा 32 (4)

II. धारा 32 (7)

III. धारा 48

A. केवल । और ।।

B. केवल ।

C. केवल III

D. I,II और III

42. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 69 निम्नलिखित स्थिति में लागू की जा सकती है:

I. यदि ऐसे किसी अनुप्रमाणक साक्षी का पता न चल सके।

II. केवल तभी जब अनुप्रमाणक साक्षी की अनुपस्थिति का पर्याप्त कारण नहीं हो।

A. केवल I

B. केवल II

C. । और II दोनों

D. न तो । और न ही ॥

43. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872-ए और बी को छात्रावास का एक ही कमरा आवंटित किया गया था। घटना की रात, ए और बी दोनों कमरे में सो रहे थे. जो अंदर से बंद था। बी अगली सुबह मृत पाया गया। इसके बाद ए को हत्या के लिए अभियोजित किया गया। भारतीय रतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के निम्नलिखित प्रावधान के अंतर्गत अभियोजन पक्ष ने बी की हत्या के तथ्यों के संबंध में जो एकी जानकारी में स्पष्टीकरण है, देने के लिए सबूत का भार ए पर स्थानांतरित कर दिया है

A. धारा 110 B. धारा 115 C. धारा 105 D. धारा 106

44. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872-क्या कोई लेखाकार कारबार के अनुक्रम में नियमित रूप में स्ली जाने वाली बहियों में उसके द्वारा अभिलिखित तथ्यों का परिसाक्ष्य दे सकेगा, यद्यपि वह प्रविष्ट किए गए विशिष्ट संव्यवहारों को भूल गया हो?

A. नहीं, क्योंकि वह विशिष्ट संव्यवहारों को भूल गया है ।

B. नहीं, क्योंकि यह उपधारणा नहीं की जा सकती है कि उसने बहियाँ ठीक-ठीक रखी थी।

C. हाँ, यदि वह जानता हो कि बहियाँ ठीक-ठीक रखी गई थीं।

D. उसके द्वारा अभिलिखत तथ्यों का परिसाक्ष्य नहीं दे सकेगा।

45. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872-पुलिस अभिरक्षा में एक अभियुक्त थाना प्रभारी को सूचित करता है कि वह चाबी जिसके द्वारा उसने तिजोरी को खोलकर चोरी की है उसने अपने घर के आगंन में रखी है। उक्त सूबना किस सीमा तक साबित की जा सकती है।

A. यह कि उसने चोरी का अपराध कारित किया।

B. यह कि उसने तिजोरी का ताला खोला।

C. यह कि उसने तिजोरी का तला खोलकर चोरी की एवं साक्ष्य नष्ट किया।

D. यह कि उसने चाबी को घर के आगंन में रखा।

46. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872- एक स्त्री जिसके साथ बलात्संग हुआ है दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 184 के अन्तर्गत दिये गये कथनो में अभियुक्त को संलिप्त करती है। कुछ समय पश्चात् विचारण में उसका साक्ष्य अभिलिखित किये जाने से पूर्व वह आत्महत्या कर लेती है। दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 164 के अन्तर्गत लेखबद्ध ऐसे कथन होंगे:

A. सारवान साक्ष्य के रूप में ग्राह्य होगा।

B. धारा 32 साक्ष्य अधिनियम के अन्तर्गत ग्राह्य होंगे।

C. धारा 33 साक्ष्य अधिनियम के अन्तर्गत ग्राह्य होंगे।

D. साक्ष्य में अग्राह्य होंगे।

47. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 -सीमेंट कार्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड बनाम पुर्या एवं अन्य, (2004) 8 एससीसी 270 में उच्चतम न्यायालय की सांविधानिक पीठ ने किसकी अवधारणा की व्याख्या की है?

A. पक्षद्रोही साक्षी

B. प्राथमिक और द्वितीयक साक्ष्य

C. केवल प्राथमिक साक्ष्य

D. केवल द्वितीयक साक्ष्य

48. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872- यदि प्रतिपरीक्षा के दौरान किसी साक्षी का उसके पूर्वतन लेखबद्ध कथन से खण्डन करने का आशय है, तो ऐसा किया जा सकता है

A. उक्त लेख को उसे दिखाए बिना।

B. उक्त लेख को साबित करने के उपरांत ।

C. उस लेख को साबित किए जा सकने के पूर्व उसका ध्यान उस लेख के उन भागों की ओर आकर्षित करना होगा जिनका उपयोग उसका खण्डन करने के प्रयोजन से किया जाना है।

D. साक्षी के पूर्व लेखबद्ध कथन का खण्डन किया ही नहीं जा सकता है।

49. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872- भारतीय साक्ष्य अधिनियम 1872 की धारा 3 के सन्दर्भ में निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है?

A. किसी मनुष्य ने कुछ सुना,एक तथ्य है।

B. शिला मुद्रित शब्द दस्तावेज है।

C. उपहासांकन दस्तावेज नहीं है।

D. किसी मनुष्य ने अमुक शब्द कहे एक तथ्य है।

50. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 ग को य की हत्या करने को उकसाने के लिए ख को क उकसाता है। ख तदनुकूल य की हत्या करने के लिए ग को उकसाता है और ख के उकसाने के परिणाम स्वरूप ग उस अपराध को करता है। क -

A. किसी अपराध का दोषी नहीं है।

B. हत्या के लिए उकसाने का दोषी नहीं है।

C. साजिश द्वारा उकसाने का दोषी है।

D. हत्या के लिए उकसाने का दोषी है

51. भारतीय दण्ड संहिता 1860-क यह जानते हुए कि ख नेय की हत्या की है ख को दण्ड से प्रतिच्छादित करने के आशय से मृत शरीर को छिपाने में ख की सहायता करता है। क दण्ड का दायी होगा-

A. दोनों में से किसी भांति के कारावास से जिसकी अवधि सात वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माने से भी दण्डनीय होगा।

B. दोनों में से किसी भांति के कारावास से जिसकी अवधि दस वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्माने से भी।

C. दोनों में से किसी भांति के कारावास से जिसकी अवधि पांच वर्ष तक की हो सकेगी और जुर्मान से भी।

D. दोनों में से किसी भांति के कारावास से जिसकी अवधि तीन वर्ष तक की हो सकेगी, अथवा जुर्माने से अथवा दोनों से।

52. भारतीय दण्ड संहिता 1800-क गम्भीर प्रकोपन की ऐसी परिस्थितियों के अधीन य पर आक्रमण करता है कि य का उसके द्वारा वध किया जाना केवल ऐसा आपराधिक मानव वध है, जो हत्या की कोटि में नहीं आता है। ख जो य से वैमनस्य रखता है, उसका वध करने के आशय से और प्रकोपन के वशीभूत न होते हुए य का वध करने में क की सहायता करता है। ऐसी परिस्थिति में कौन सा एक सही है-

A. क और ख दोनों हत्या के दोषी हैं।

B. क और ख दोनों आपराधिक मानववध के दोषी हैं।

C. क आपराधिक मानव वध का दोषी है और ख हत्या के लिए उकसाने का दोषी है।

D. क आपराधिक मानव वध का दोषी है और ख हत्या का दोषी है

53. भारतीय दण्ड संहिता, 1860-कब मारीर की प्राइवेट प्रतिरक्षा का अधिकार मृत्यु कारित करने तक विस्तारित नहीं होता है?

A. प्रकृति-विरुद्ध काम-तृष्णा की तृप्ति के आशय से किया गया हमला।

B. व्यपहरण या अपहरण करने के आशय से किया गया हमला।

C. अम्ल फेंकने या देने का कृत्य, जिससे युक्तियुक्त रूप से यह आशंका कारित हो कि ऐसे कृत्य के परिणामस्वरूप अन्यथा घोर उपहति कारित होगी

D. महिलाओं की गरिमा को ठेस पहुंचाने के आशय से किया गया हमला।

54. भारतीय दण्ड संहिता 1860-क को, जो एक लोक सेवक है, ख के पदीय कृत्यों के प्रपोग में क अपने प्रति कुछ अनुग्रह दिखाने के लिए इनाम के रूप में रिश्वत की प्रस्थापना करता है। ख उस रिश्वत को प्रतिगृहीत करने से इन्कार कर देता है। क किस धारा के अंतर्गत दण्शित किया जायेगा?

A. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 115 के अधीन

B. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 116 के अधीन

C. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 117 के अधीन

D. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 118 के अधीन

55. भारतीय दण्ड संहिता, 1860-'क' के कब्जे में एक हीरे की अंगूठी और एक सोने की चेन थे। वह मर जाता है। उसका सेवक 'ख', उक्त अंगूठी और सोने की चेन के किसी ऐसे व्यक्ति के कब्जे में आने से पूर्व, जो ऐसे कब्जे का हकदार है, बेईमानी से उसका दुविनियोग करता है। 'ख' ने किस धारा के अंतर्गत परिभाषित अपराध किया है?

A. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 403

B. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 379

C. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 404

D. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 409

56. भारतीय दण्ड संहिता, 1860-य की सदोष हानि करने के आशय से, उसके बर्फ घर में क पानी छोड देता है, और इस प्रकार बर्फ को गला देता है। क ने कौनसा अपराध किया है?

A. न्यास भंग B. न्यूसेन्स C. रिष्टि D. दुर्विनियोग

57. भारतीय दण्ड संहिता, 1860-मुष्टि प्रहार द्वारा दांत के विसंधान करने का अपराध किस धारा के अंतर्गत दण्डनीय है ?

A. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 325 के अन्तर्गत

B. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 323 के अन्तर्गत

C. भारतीय दण्ड सहिता की धारा 324 के अन्तर्गत

D. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 326 के अन्तर्गत

58. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 - क यह जानते हुए कि य ऐसे रोग से ग्रस्त है कि संभाव्य है कि एक प्रहार उसकी मृत्यू कारित कर दे, शारीरिक क्षति कारित करने के आश्य से उस पर आघात करता है। य उस प्रहार के परिणामस्वरूप मर जाता है। क दोषी हे-

A. हत्या

B. हत्या की कोटि में न आने वाले आपराधिक मानववध

C. घोर उपहति

D. उपेक्षापूर्वक य की मृत्यु कारित करना

59. भारतीय दण्ड संहिता, 1860-धारा 377 भारतीय दण्ड संहिता, है:

A. वयस्कों के मध्य सहमति से लैंगिक संबंध बनाने को अपराध बनाने के संबंध में आंशिक रूप से असंवैधानिक ।

B. पूर्णतः असंवैधानिक

C. वयस्कों के मध्य असहमति से लैंगिक संबंध बनाने को अपराध बनाने के संबंध में आंशिक रूप से असंवैधानिक ।

D. पूर्णतः संवैधानिक

60. भारतीय दण्ड संहिता, 1860-निम्नलिखित में से किस मामले में अभियुक्त उपहति के अपराध के दण्ड के लिए उत्तरदायी है:

I. आक्रामक तरीके से बाल पकड़कर घसीटना

II. हमले के दौरान चेहरे पर मुक्का मारना

III. पीठ पर जोरदार लात मारना

IV. दूसरे को असंतुलित करने के लिए धक्का मारना

A. केवल I

B. केवल I और II

C. केवल I,II और III

D. I,II,III और IV

61. भारतीय दण्ड संहिता, 1860- क यह धमकी देता है कि यदि य ने उसे 10,000 रुपये नहीं दिये, तो वह य के बारे में मानहानिकारक अपमान लेख प्रकाशित करेगा। इस प्रकार काय को अपना धन 10,000 रूपये देने के लिए उत्प्रेरित करता है क ने भारतीय दण्ड संहिता के अंतर्गत कौन सा अपराध किया है ?

A. चोरी B. उद्दापन C. डकैती D. दुर्व्यपदेशन

62. भारतीय दण्ड संहिता, 1860 - एक लड़के क का जन्म दिनांक 01.08.2017 को श्रीमती ख एवं श्री ग के यहां हुआ था। दिनांक 12.09.2023 को तीनों का परिवार एक रोमांचक फिल्म देख रहा था। फिल्म के एक दृश्य की नकल करते हुए, क एक एक चाकू उठाकर ग की ओर बढ़ता है। ग की ओर चलते समय उसने संवाद सुनाया, मैं तुम्हारे टुकड़े-टुकड़े कर दूंगा और उसके बाद क ने वास्तव में ग को चाकू मार दिया, जिससे उसकी मृत्यु हो गई। क, हे

A. भारतीय दण्ड संहिता की धारा 82 के अंतर्गत क, ग की हत्या का दोषी नहीं है।

B. ग की हत्या का दोषी है, क्योंकि क ने अपने आचरण और कृत्य के परिणामों को समझने की परिपक्वता प्राप्त कर ली थी।

C. हत्या की कोटि में न आने वाले आपराधिक मानववध का दोषी।

D. लापरवाही से मृत्यु कारित करने का दोषी ।

63. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973-दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की प्रथम अनुसूची के भाग II में किसी अन्य विधि के विरुद्ध अपराध यदि तीन वर्ष और उससे अधिक किन्तु सात वर्ष से अनधिक के कारावास से दण्डनीय है, तो तो उसे इस प्रकार वर्गीकृत किया गया है

A. संज्ञेय और अजमानतीय

B. असंज्ञेय और अजमानतीय

C. संज्ञेय और जमानतीय

D. असंज्ञेय और जमानतीय

64. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973-प्रत्येक पुलिस अधिकारी गिरफ्तारी करते समय दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 41 बी के अंतर्गत गिरफ्तारी का ज्ञापन तैयार करेगा, जो कि -

A. कम से कम दो साक्षियों द्वारा, जिनमें से एक गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के परिवार का सदस्य है, या जहां से गिरफ्तारी की गई है उस मोहल्ले के किसी सम्माननीय सदस्य द्वारा अनुप्रमाणित किया जायेगा।

B. कम से कम एक साक्षी, जो गिरफ्तार किए गए व्यक्ति के परिवार का सदस्य है, या जहां से गिरफ्तारी की गई है उस मोहल्ले के किसी सम्माननीय सदस्य द्वारा अनुप्रमाणित किया जायेगा।

C. कम से कम दो साक्षियों द्वारा, जिनमें से एक राजपत्रित अधिकारी है, के द्वारा अनुप्रमाणित किया जायेगा।

D. कम से कम एक साक्षी द्वारा अनुप्रमाणित किया जायेगा।

65. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973-दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 82 के अंतर्गत लिखित उद्घोषणा जिसमें किसी व्यक्ति को एक विनिर्दिष्ट स्थान में और एक विनिर्दिष्ट समय, जो उद्घोषणा के प्रकाशन की तारीख से ..... से कम की नहीं होगी, पर हाजिर होने की आवश्यकता होती है-

A. 7 दिवस B. 15 दिवस C. 30 दिवस D. 60 दिवस

66. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973-संपत्तियों और दायित्वों का प्रकटीकरण करने वाला शपथ-पत्र, पक्षकारों द्वारा सभी भरण पोषण की कार्यवाहियों में प्रस्तुत किया जायेगा। यह निर्देश उच्चतम न्यायालय द्वारा दिया गया था-

A. सूर्य देव राय बनाम राम चंदर राय, (2003) 6 एससीसी 675

B. शकुंतला देवी एवं अन्य बनाम चमरू महतो एवं एक अन्य, (2009) 3 एससीसी 310

C. व्ही डी भनोत बनाम सविता भनोत, (2012) 3 एससीसी 183

D. राजनेश बनाम नेहा, (2021) 2 एससीसी 324

67. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973-दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 258 के अंतर्गत मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट किन मामलों की कार्यवाही को किसी भी प्रक्रम में कोई निर्णय सुनाये बिना रोक सकता है?

A. परिवाद से भिन्न आधार पर संस्थित वारंट मामले में।

B. पुलिस रिपोर्ट के आधार पर संस्थित वारंट मामले में।

C. परिवाद से भिन्न आधार पर संस्थित समन मामले में।

D. पुलिस रिपोर्ट से भिन्न आधार पर संस्थित समन मामले में।

68. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973-'क' पर 'ख' से छल करने का आरोप है, और जिस रीति से उसने 'ख' से छल किया है वह आरोप में उपवर्णित नहीं है। 'क' और 'ख' के बीच कई संव्यवहार हुए है, और 'क' के पास यह जानने का कि आरोप का निर्देश उनमें से किसके प्रति है कोई साधन नहीं था और उसने अपनी कोई प्रतिरक्षा नहीं की। न्यायालय ऐसे तथ्यों से यह अनुमान कर सकता है कि छल करने की रीति के उपवर्णन का लोप उस मामले में गलती थी-

A. तात्विक ।

B. केवल एक अनियमतता है।

C. तात्विक नहीं है क्योंकि क को गुमराह नहीं किया गया है।

D. असंगत।

69. परक्राम्प लिखत अधिनियम, 1881 - निम्नलिखित में से कौन सा "वचन पत्र" होगा?

A. मैं ख को पाँच सौ रुपये, और वे अन्य सब राशियां जो उसे शोध्य होगी, संदत्त करने का वचन देता हूं।

B. ग के साथ अपने विवाह के सात दिन पश्चात् मैं ख को पाँच सौ रुपये संदत्त करने का वचन देता हूं।

C. मैं स्वीकार करता हूं कि प्राप्त मूल्य के लिए मैं ख का एक हजार रुपये का ऋणी हूं, जो मांग पर संदत्त किये जाने हैं।

D. मैं, घ की मृत्यु पर ख को 500 रुपये का भुगतान करने का वचन देता हूं, परंतु यह तब जबकि घ वह राशि संदत्त करने के लिए पर्याप्त धन मेरे लिए छोड़ जाये।

70. परक्राम्प लिखत अधिनियम, 1881-निम्नलिखित में से कौन सा मामला परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 पर उच्चतम न्यायालय की संवैधानिक पीठ के द्वारा निर्णित है?

A. इन रीः धारा 138 एनआई अधिनियम के तहत मामलों की शीघ्र सुनवाई, 2021 एससीसी ऑनलाइन एससी 354

B. दशरथभाई त्रिकमभाई पटेल बनाम हितेश महेंद्रभाई पटेल एवं एक अन्य, (2023) 1 एससीसी 578

C. दिलीप हरीरमानी बनाम बैंक ऑफ बड़ौदा, 2022 एससीसी ऑनलाइन एससी 579

D. गजानंद बुरांगे बनाम लक्ष्मी चंद गोयल, 2022 एससीसी ऑनलाइन एससी 1711

71. परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881-किस मामले में उच्चतम न्यायालय ने यह भिनिर्धारित किया है कि अधिनियम में वर्ष 1988 में धारा 138 एवं अध्याय XVII के अन्य प्रावधानों को पुरस्थापित करने का उद्देश्य उत्तरदायित्वों के निर्धारण में चैक की स्वीकार्यता में वृद्धि थ था। ईमानदार लेखीवाल के उत्पीड़न से बचाव के साथ चैक के लेखीवाल को चैक अनादरण के अभियोजन का उत्तरदायी बनाना हे।

A. कलामणि टेक्स और एक अन्य बनाम पी, बालासुब्रमण्यम, (2021) 5 एस सी सी 283

B. मीटर्स एण्ड इंस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड एवं एक अन्य बनाम कंचन मेहता, (2018) 1 एस सी सी 560

C. गोआ प्लास्ट प्रायवेट लिमिटेड बनाम चिको उर्सुला डिसूजा (2004) 2 एस सी सी 235

D. एन परमेश्वरन उन्नी बनाम जी. कन्नन एवं एक अन्य (2017) 5 एस सी सी 737

72. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 सूचना- प्रोद्योगिकी अधिनियम, 2000 की कौन सी धारा इलेक्ट्रॉनिक अभिलेख के अभिप्रमाणीकरण से संबंधित है ?

A. धारा 2(1) (द) B. धारा 3 C. धारा 5 D. धारा 7

73. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 - सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 की धारा 43 क में उल्लिखित "युक्तियुक्त सुरक्षा पद्धतियों", मुख्य रूप से किसकी सुरक्षा के उद्देश्य से हैं?

A. व्यक्तियों के डाटा।

B. राष्ट्रीय सुरक्षा।

C. कंपनियों के व्यापार रहस्य।

D. सरकारी डाटाबेस की अखंडता।

74. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000-एकांतता का अतिक्रमण करने के लिए धारा 66 ड. के अनुसार दण्डात्मक प्रावधान क्या है?

A. कारावास से जो एक वर्ष तक का हो सकेगा या जुर्माने से, जो एक लाख रूपये से अधिक का नहीं हो सकेगा या दोनों।

B. कारावास से जो तीन वर्ष तक का हो सकेगा या जुर्माने से, जो दो लाख रूपये से अधिक नहीं हो सकेगा या दोनों।

C. कारावास से जो तीन वर्ष तक का हो सकेगा या जुर्माने से, जो एक लाख रूपये से अधिक का नहीं हो सकेगा या दोनों।

D. कारावास से जो एक वर्ष तक का हो सकेगा या जुर्माने से, जो दो लाख रूपये से अधिक का नहीं हो सकेगा या दोनों।

75. सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 के अंतर्गत 'कुंजी युग्म' से आप क्या समझते हैं?

A. यह एक प्राइवेट कुंजी है जिसमें सममित और असममित दोनों गूढ़ विशेषताएं हैं।

B. यह एक सार्वजनिक कुंजी है जिसमें सममित और असममित दोनों गूढ़ विशेषताएं हैं।

C. एक प्राइवेट कुंजी और उसकी अंकगणितीय रूप से संबंधित लोक कुंजी।

D. यह दो पासवर्ड के रूप में एक इलेक्ट्रॉनिक कुंजी है

76. किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015-निम्नलिखित में से किस प्राधिकारी को किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के अंतर्गत एक बालक को देखरेख और संरक्षण की आवश्यकता होने की घोषणा करने की शक्ति प्रदान की गई है ?

A. बाल कल्याण समिति

B. जिला मजिस्ट्रेट

C. किशोर न्याय बोर्ड

D. उस जिले के प्रधान जिला न्यायाधीश जहां बच्चा आमतौर पर रहता है

77. लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012- निम्न में से कौन सा गुरूतर प्रवेशन लैगिक हमला नहीं है -

A. पुलिस अधिकारी होते हुए किसी बालक पर अपने कर्तव्यों के अनुक्रम में प्रवेशन लैंगिक हमला करना।

B. पुलिस अधिकारी होते हुए किसी बालक पर अपने कर्तव्यों के अनुक्रम से अन्यथा किया गया प्रवेशन लैंगिक हमला करना।

C. पुलिस अधिकारी होते हुए किसी बालक पर, जब वह पुलिस अधिकारी के रूप में ज्ञात हो, प्रवेशन लैंगिक हमला करना।

D. किसी 13 वर्ष के बालक पर, प्रवेशन लैंगिक हमला करना।

78. लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012- निम्न में से किस मामले में उच्चतम न्यायालय द्वारा यह अवधारित किया गया है कि लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012, की धारा 7 का आरोप प्रमाणित किये जाने के प्रयोजन से "त्वचा से त्वचा का संपर्क साबित किया जाना आवश्यक नहीं है?

A. भारत के अटॉर्नी जनरल बनाम सतीश एवं एक अन्य,

B. अफजल अंसारी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य

C. प्रदीप कुमार बनाम हरियाणा राज्य

D. जयंत एवं अन्य बनाम मध्यप्रदेश राज्य

79. लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 - दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 164 के निम्नलिखित में से कौन सा उपबंध लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 की धारा 25 के अंतर्गत मजिस्ट्रेट द्वारा बालक के कधन का अभिलेखन करने पर लागू नहीं होगा ?

A. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 164 की उपधारा (1) का पहला परंतुक जहां तक वह अभियुक्त के अधिवक्ता की उपस्थिति अनुज्ञात करता है।

B. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 164 की उपधारा (2) का दूसरा परंतुक जहां तक वह अभियुक्त के अधिवक्ता की उपस्थिति अनुज्ञात करता है।

C. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 164 की उपधारा (6) जहां तक वह अभियुक्त के अधिवक्ता की उपस्थिति अनुज्ञात करता है।

D. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 164 की उपधारा (3) जहां तक वह अभियुक्त के अधिवक्ता की उपस्थिति अनुज्ञात करता है।

80. किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 -किशोर न्याय (बच्चों की देखभाल और संरक्षण) अधिनियम, 2015 के तहत किसे 'बाल कल्याण पुलिस अधिकारी' के रूप में नामित नहीं किया जा सकता है?

A. प्रधान आरक्षक

B. सहायक उपनिरीक्षक

C. उप-निरीक्षक

D. ऊपर के सभी

81. किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 किशोर न्याय (बालकों की देख-रेख और संरक्षण) अधिनियम, 2015 में विभिन्न प्रकार के अपराधों की परिभाषा में निम्नलिखित में से किसमें अधिनियम क्रमांक 23 सन् 2021 द्वारा संशोधन किया गया था ?

A. छोटे अपराध

B. जघन्य अपराध

C. घोर अपराध

D. इनमें से कोई नहीं

82. परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881-सभी परक्राम्य लिखतों पर क्या उपधारणाएँ लागू होती है ?

A. यह कि हर एक परक्राम्य लिखत प्रतिफलार्थ रचित या लिखी गई थी।

B. यह कि खोया हुआ वचन पत्र सम्यक रूप से स्टांपित नहीं था।

C. यह कि ऐसी हर एक परक्राम्य लिखत जिस पर तारीख पड़ी है, ऐसी तारीख को रचित थी।

D. दोनों, 1 एवं 3

83. परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881-परक्राम्य लिखत अधिनियम, 1881 की धारा 91 के अंतर्गत, अप्रतिग्रहण द्वारा अनादर तब होता है जबः

A. ऊपरवाल संविदा के लिए अक्षम है।

B. प्रतिग्रहण विशेषित है।

C. उपस्थापन करने से अभिमुक्ति दे दी गई हो और विनिमय पत्र प्रतिगृहित न किया जाए।

D. उपरोक्त सभी।

84. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973-यदि दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 257 के अंतर्गत परिवाद वापस ले लिया जाता है तो मजिस्ट्रेट करेगा-

A. अभियुक्त को दोषमुक्त।

B. अभियुक्त को उन्मोचित।

C. अभियुक्त को आरोप विरचित किये जाने के पूर्व उन्मोचित और आरोप विरचित किये जाने के पश्चात दोषमुक्त।

D. उपरोक्त में से कोई नहीं

85. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973-अरनेश कुमार बनाम बिहार राज्य (2014) एससीसी 273 के मामले में जारी किये गये वारंट के बिना गिरफ्तारी के दिशानिर्देशों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन सा गलत है ?

A. मामला संस्थित किये जाने के सात दिवस के भीतर आरोपी पर धारा 41 ए दण्ड प्रक्रिया संहिता के अनुसार उपस्थिति की सूचना तामील की जायेगी, जिसे जिले के पुलिस अधीक्षक द्वारा लेखबद्ध किये जाने वाले कारणों से बढ़ाया जा सकेगा।

B. उपरोक्त निर्देशों के अनुपालन में विफलता, संबंधित पुलिस अधिकारियों को विभागीय कार्रवाई के लिए उत्तरदायी बनाने के अतिरिक्त, वे क्षेत्रीय अधिकारिता वाले उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत की जाने वाली न्यायालय की अवमानना के लिए भी दण्ड के भागी होंगे।

C. उक्तानुसार कारण अभिलिखित किये बिना अभिरक्षा अधिकृत करना, संबंधित न्यायिक मजिस्ट्रेट को संबंधित उच्च न्यायालय द्वारा विभागीय कार्यवाही के लिए दायी बनाएगा।

D. उपरोक्त में से कोई भी गलत नहीं है।

86. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973- किस नवीनतम निर्णय में उच्चतम न्यायालय ने धारा 313 दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 पर पूर्व निर्णयों की विधिक अवधारणाओं का सार संक्षेपण किया है?

A. 49 सी.बी.आई. बनाम विकास मिश्रा उर्फ विकाश मिश्रा (2023) 6 एस सी सी 49

B. अंकित कोठारी बनाम म.प्र. राज्य आई.एल.आर. 2023 एमपी 1783

C. प्रेमचंद बनाम महाराष्ट्र राज्य (2023) 5 एस सी सी 522

D. ओमप्रकाश साहनी बनाम जय शंकर चौधरी एवं एक अन्य (2023) 6 एस सी सी 123

87. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973-दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 306 के अंतर्गत सह-अपराधी को क्षमा-दान देने के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असत्य है?

A. एक मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट या एक मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट अन्वेषण या जांच या विचारण के किसी भी प्रक्रम पर क्षमा-दान दे सकता है।

B. न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी जांच या विचारण के किसी भी प्रक्रम पर क्षमा-दान कर सकता है।

C. यदि अपराध सात वर्ष से अधिक की अवधि के कारावास से दण्डनीय है तो क्षमा-दान विधितः अनुमत नहीं है।

D. इनमें से कोई नहीं।

88. दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973-के के मिश्रा बनाम मध्य प्रदेश राज्य, 2018 एससीसी ऑनलाइन एससी 374 के मामले में उच्चतम न्यायालय का निर्णय व्याख्या करता है

A. दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 199 में विहित की गई विशेष प्रक्रिया का औचित्य।

B. जमानत के मामले में सत्र न्यायालय की शक्तियां।

C. अंतरिम जमानत और नियमित जमानत के बीच अंतर।

D. उपरोक्त में से कोई नहीं।

89. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973- दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के अध्याय XXI-A सौदा अभिवाक के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य है ?

A. जहां ऐसा अपराध अठारह वर्ष से कम आयु के बालक के विरुद्ध किया गया है वहाँ यह लागू नहीं होगा।

B. जहां ऐसा अपराध महिलाओं के विरुद्ध किया गया है वहाँ यह लागू नहीं होगा।

C. जहां ऐसा अपराध तीन वर्ष से अधिक की अवधि के कारावास से दण्डनीय है वहाँ यह लागू नहीं होगा।

D. उपरोक्त सभी।

90. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 461 के तहत निम्नलिखित में से कौन सी कार्यवाही शून्य होगी ?

A. द्वितीय श्रेणी का न्यायिक मजिस्ट्रेट दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 306 के अंतर्गत क्षमा-दान करता है।

B. द्वितीय श्रेणी का न्यायिक मजिस्टेट किसी अपराध का संक्षिप्ततः विचारण करता है।

C. द्वितीय श्रेणी का न्यायिक मजिस्ट्रेट दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 94 के अंतर्गत तलाशी वारंट जारी करता है।

D. उपरोक्त में से कोई नहीं।

91. भारतीय दण्ड संहिता, 1860-भारतीय दण्ड संहिता की धारा 146 के तहत बलवा का अपराध गठित करने के लिए होना चाहिए

A. किसी विधिविरुद्ध जमाव द्वारा बल या हिंसा का प्रयोग

B. किसी विधिविरुद्ध जमाव द्वारा एक विशिष्ट या असामान्य बल का निर्माण

C. किसी विधिविरुद्ध जमाव द्वारा घातक हथियार का आधिपत्य

D. उपरोक्त सभी

92. भारतीय दण्ड संहिता, 1860-विरसा सिंह बनाम पंजाब राज्य, 1958 एस सी सी ऑनलाईन एस सी 37 का मामला किस अपराध से संबंधित है?

A. हत्या

B. बलात्कार

C. आत्महत्या के लिए दुष्प्रेरण

D. इनमें से कोई नहीं

93. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 निम्नलिखित में से दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 के किस प्रावधान को मध्य प्रदेश विधायिका द्वारा 1995 के मध्य प्रदेश अधिनियम संख्या 21 के माध्यम से संशोधित किया गया था ?

A. धारा 24

B. धारा 27

C. धारा 31

D. इनमें से कोई नहीं

94. दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973- किसी पुतिस अधिकारी के लिए बिना वारंट के गिरफ्तार करना वैध होगा, एक ऐसे व्यक्ति को-

A. जो अपराधी उद्घोऐषित किया जा चुका है।

B. जो पुलिस अधिकारी की उपस्थिति में असंज्ञेय अपराध कारित करता है।

C. जो छोड़ा गया सिद्धदोष है।

D. इनमें से कोई नहीं

95. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872-भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 8 के अंतर्गत -

A. हेतु सुसंगत है।

B. तैयारी सुसंगत है।

C. आचरण सुसंगत है।

D. उपरोक्त सभी।

96. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872-भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 की धारा 115 में प्रावधानित किए गए विबंध का सिद्धांत लागू हो सकता है:

A. मौन द्वारा

B. लापरवाही द्वारा

C. चुनाव द्वारा

D. उपरोक्त सभी

97. भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू होता है-

A. आर्मी एक्ट (44 तथा 45 विक्टो, अ, 58) के अधीन संयोजित सेना न्यायालय के समक्ष कार्यवाही में

B. मध्यस्थ के समक्ष कार्यवाही में

C. न्यायालयों में न्यायिक कार्यवाही में

D. उपरोक्त सभी

98. म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959-धारा 129 की उपधारा (4) के अंतर्गत सीमांकन रिपोर्ट की तहसीलदार द्वारा पुष्टि करने पर व्यधित पक्षकार के पास क्या उपचार उपलब्ध है ?

A. पुनरीक्षण का आवेदन

B. अपील

C. 1 व 2 दोनों

D. इनमें से कोई नहीं

99. परिसीमा अधिनियम, 1963 - विलंब क्षमा के मामले में न्यायालय के कर्तव्य के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है ?

A. न्यायालयों को व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए।

B. उन मामलों के बीच अंतर किया जाना चाहिए जिनमें विलंब अत्यधिक है।

C. अतितकनीकी दृष्टिकोण से बचना चाहिए।

D. उपरोक्त सभी

100. परिसीमा अधिनियम, 1963-परिसीमा अवधि की संगणना के दौरान कुछ तथ्यों पर विचार किया जाता है। निम्नलिखित में से कौन सा तथ्य गलत है ?

A. किसी वाद, अपील या आवेदन के परिसीमा काल की संगणना करने में वह दिन अपवर्जित कर दिया जाएगा, जिससे ऐसे परिसीमा काल की गणना की जाना है।

B. किसी अपील के लिए, परिसीमा काल की संगणना करने में वह दिन, जिस दिन परिवादित निर्णय सुनाया गया था तथा उस डिक्री की प्रतिलिपि अभिप्राप्त करने के लिए अपेक्षित समय अपवर्जित कर दिया जाएगा।

C. किसी पंचाट के अपास्त किए जाने के लिए आवेदन के परिसीमा काल की संगणना करने में पंचाट की प्रतिलिपि अभिप्राप्त करने के लिए अपेक्षित समय अपवर्जित नहीं किया जाएगा।

D. इनमें से कोई नहीं

101. विनिर्दिष्ट अनुतोष अधिनियम, 1963-धारा 16 के अंतर्गत, संविदा का विनिर्दिष्ट पालन किसी ऐसे व्यक्ति के पक्ष में नहीं कराया जा सकता है -

A. जिसने धारा 20 के अधीन संविदा का प्रतिस्थापित पालन अभिप्राप्त कर लिया है।

B. जो संविदा के किसी मर्मभूत निबन्धन का, जिसका उसकी ओर से पालन किया जाना शेष हो, पालन करने में असमर्थ हो गया हो, या उसका अतिक्रमण करे।

C. संविदा के प्रति कपट करे अथवा जानबूझकर ऐसा कार्य करे जो संविदा द्वारा स्थापित किए जाने के लिए आशयित सम्बन्ध का विसंवादी या ध्वंसक हो।

D. सभी विकल्प

102. भारतीय संविदा अधिनियम, 1872-समाश्रित संविदा के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा/से विकल्प सही है?

A. "समाश्रित संविदा" वह संविदा है जो ऐसी संविदा से साम्पार्श्विक किसी घटना के घटित होने या न होने पर ही किसी बात को करने या न करने के लिये हो।

B. उन समाश्रित सांविदाओं का प्रवर्तन, जो किसी अनिश्चित भावी घटना के घटित होने पर, किसी बात को करने या न करने के लिये हों, विधि द्वारा तब तक कराया जा सकता है जब तक कि वह घटना घटित न हुई हो।

C. उन समाश्रित सांविदाओं का प्रवर्तन, जो किसी अनिश्चित भावी घटना के घटित न होने पर, किसी बात को करने या न करने के लिये हों, तक कराया जा सकता है जब वह घटना हो जाये।

D. उपरोक्त सभी

103. भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 - एक उपाभिकर्ता वह व्यक्ति होता है:

A. जो अभिकर्ता की सहायता के लिये मालिक द्वारा नियोजित किया जाता है।

B. जो मूल अभिकर्ता द्वारा अपने व्यक्तिगत कार्य के लिए नियोजित किया गया है।

C. जो अभिकरण के कारबार में मूल अभिकर्ता द्वारा नियोजित हो और उसके नियंत्रण के अधीन कार्य करता हो।

D. इनमें से कोई नहीं

104. भारतीय संविदा अधिनियम, 1872- किसी अभिकरण का पर्यवसान कैसे होता है?

A. मालिक द्वारा अपने प्राधिकार के प्रतिसंहरण से।

B. अभिकरण के कारबार के पूरे हो जाने से।

C. मालिक दिवालिया न्यायनिर्णीत किये जाने से।

D. उपरोक्त सभी

105. भारतीय संविदा अधिनियम, 1872 सम्मति स्वतंत्र तब भी कही जाती है जब यह दोनों पक्षकारों द्वारा निम्न में से किस भूल से कारित हुई है?

A. जो चीज करार की विषय वस्तु हो उसके मूल्य के बारे में गलत राय।

B. ऐसी विधि के बारे में किसी भूल की, जो भारत में प्रवृत्त नहीं है।

C. ऐसे तथ्य के बारे में भूल, जो करार के लिए मर्मभूत है।

D. उपरोक्त सभी

106. भारतीय संविदा अधिनियम, 1872- ड को ख के पास शिक्षु के रूप में क रखता है और ख को ड की विश्वस्तता की प्रत्याभूति देता है। ख अपनी ओर से वचन देता है कि वह प्रतिमास कम से कम एक बार देख लेगा कि ड ने रोकड़ का मिलान कर लिया है। ख ऐसा करने का लोप करता है और ड गबन कर लेता है। क की प्रत्याभूति के सापेक्ष क्या स्थिति होगी?

A. ख के प्रति क अपनी प्रत्याभूति पर दायी है।

B. ख के प्रति क अपनी प्रत्याभूति पर दायी नहीं है।

C. ख को हुये नुकसान की सीमा तक क दायी है।

D. उपरोक्त में से कोई नहीं

107. भारतीय संविदा अधिनियम, 1872-निम्न में से कौन सा करार विधिक कार्यवाहियों के अवरोध में शून्य होगा ?

A. पक्षकारों के मध्य किसी प्रश्न को जो पहले ही पैदा हो चुके हों, माध्यस्थम के लिए निर्देशित करने का करार।

B. पक्षकारों के मध्य किसी विषय के बारे में, उद्भूत होने वाले विवाद को माध्यस्थम के लिये निर्देशित करने वाला करार।

C. एक करार जो किसी विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति पर किसी संविदा के अधीन या उसके बारे में उसके किसी पक्षकार के अधिकारों को निर्वापित कर देता है किंतु उससे कोई पक्षकार अपने अधिकारों को प्रवर्तित कराने से अवरुद्ध नहीं होता है।

D. उपरोक्त में से कोई नहीं

108. संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882-किस मामले में उच्चतम न्यायालय ने अभिनिर्धारित किया है पट्टा के पर्यवसान के पश्चात पट्टान्तरित सम्पत्ति का कब्जा पट्टेदार को अतिचारी बना देता है।

A. राम भरोसे लाल गुप्ता (मृत), द्वारा विधिक प्रतिनिधिगण एवं अन्य बनाम हिन्दुस्तान पेटोलियम कार्पोरेशन लिमिटेड एवं एक अन्य, (2013) 9 एस सी सी 714

B. पवन कुमार गुप्ता बनाम बी.आर. गुप्ता, (2017) 14 एस सी सी 541

C. अम्बिका प्रसाद बनाम मो. आलम एवं एक अन्य, (2015) 13 एस सी सी 13

D. भारतीय स्टेट बैंक एवं एक अन्य बनाम मेट्टा चन्द्र शेखर राव एवं अन्य, (2017) 16 एस सी सी 777

109. संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882-संपत्ति अन्तरण अधिनियम, 1882 की धारा 53 के अंतर्गत विक्रय को रद्द करने के लिए प्रस्तुत किये गये वाद में सबूत के भार के विषय में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

A. यह साबित करने का भार "लेनदार" पर है कि अन्तरण लेनदार को विफल करने या देरी कराने के आशय से किया गया है।

B. यह साबित करने का भार "अंतरिती" पर है कि अन्तरण लेनदार को विफल करने या देरी कराने के आशय से किया गया है।

C. यदि लेनदार को विफल करने या देरी कराने का आशय साबित हो जाता है, तो यह साबित करने का भार अन्तरिती पर है कि अन्तरण सदभावपूर्ण सप्रतिफल है।

D. सभी विकल्प सही हैं।

110. संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882-क निर्माण भूमि का कोई टुकड़ा ख के पास बन्धक रखता है, और तत्पश्चात् टुकड़े पर गृह खड़ा करता है। अपनी प्रतिभूति के प्रयोजनों के लिए-

A. ख गृह का तथा उस भूमि के टुकड़े का हकदार है।

B. ख मात्र गृह का हकदार है।

C. ख मात्र उस भूमि के टुकड़े का हकदार है।

D. ख गृह का या उस भूमि के टुकड़े का हकदार नहीं है।

111. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-प्रति-डिक्रियों की दशा में निष्पादन से संबंधित प्रावधान है:

A. आदेश XXI नियम 18

B. आदेश XXI नियम 14

C. आदेश XXI नियम 11 (2)

D. आदेश XXI नियम 5

112. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-निम्नलिखित में से कौन सा कथन सत्य नहीं है ?

A. वाद-पत्र उचित न्यायालय में उपस्थित किए जाने के लिए लौटाने का आदेश, अपील योग्य है।

B. वाद-पत्र में परिसीमा से छूट के आधार दर्शित होंगे।

C. विचारण प्रारंभ होने के पश्चात्, वाद-पत्र उस न्यायालय में उपस्थित करने के लिए जिसमें वाद संस्थित किया जाना चाहिए था, नहीं लौटाया जा सकता।

D. इनमें से कोई नहीं।

113. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-निम्नलिखित में से किस मामले में सिविल प्रक्रिया संहिता की धारा 100 के अंतर्गत “विधि का सारवान् प्रश्न” पद को स्पष्ट किया गया था?

A. भारतीय स्टेट बैंक एवं अन्य बनाम एस.एन. गोयल (2008) 8 एस सी सी 92

B. पथुम्मा एवं अन्य बनाम कुंतलन कुट्टी एवं अन्य (1981) 3 एस सी सी 589

C. दीवान सिंह एवं अन्य बनाम राजेंद्र अर्देवी एवं अन्य (2007) 10 एस सी सी 528

D. इनमें से कोई नहीं

114. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-निग्रलिखित में से कौन सा कथन सत्य है?

A. विचारण के प्रारंभ होने के बाद किन्ही भी परिस्थितियों में अभिवचनों में संशोधन के लिए कोई आवेदन स्वीकार नहीं किया जाएगा।

B. न्यायालय कार्यवाहियों के किसी भी प्रक्रम में आदेश दे सकेगा कि किसी भी अभिवचन में की कोई भी ऐसी बात काट दी जाये या संशोधित कर दी जाये जो अनावश्यक है।

C. किसी पक्षकार द्वारा संशोधन करने की अनुमति के लिए आदेश प्राप्त किए जाने के बाद अभिवचनों में संशोधन करने के लिए कोई समय-सीमा नहीं है।

D. इनमें से कोई नहीं।

115. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-निम्नलिखित में से कौन सा सिविल प्रकृति का वाद है?

A. जाति से निष्कासन के विरुद्ध वाद

B. किसी व्यक्ति की गरिमा और सम्मान को बनाए रखने के लिए वाद

C. दांपत्य अधिकारों की पुनर्स्थापना के लिए वाद

D. उपरोक्त सभी

116. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-निम्नलिखित में से कौन सा "डिक्री नहीं है?

A. व्यतिक्रम के लिये ख़ारिज करने का आदेश।

B. न्यायालय फीस का भुगतान न करने के लिए वाद-पत्र को नामंजूर करने का आदेश।

C. न्यायालय का एक आदेश जिसमें कहा गया है कि वाद लाने का अधिकार बचा नहीं है।

D. इनमें से कोई नहीं।

117. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-गलत कथन को चिन्हित करें -

A. किसी न्यायालय के अधिकार क्षेत्र को बाहर करने वाले विधान की कठोरता से व्याख्या की जानी चाहिए।

B. प्रत्येक न्यायालय को अपनी क्षेत्रअधिकारिता के प्रश्न को विनिश्चित करने की अंतर्निहित शक्ति प्राप्त है।

C. सहमति, किसी न्यायालय का अधिकार क्षेत्र, न तो प्रदान कर सकती है और न ही छीन सकती है।

D. इनमें से कोई भी गलत नहीं है।

118. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-'ए' ने अचल संपत्ति पर कब्ज़ा वापस पाने के लिए 'बी' पर वाद किया। बचाव यह है कि 'बी' संपत्ति का स्वामी है। वाद लंबित रहने के दौरान 'बी' को दिवालिया घोषित कर दिया गया और उसकी संपत्ति आधिकारिक समनुदेशिती में निहित हो जाती है, क्योंकि समनुदेशन का आदेश संचालित होता है -

A. मुकदमे की विषय-वस्तु में दिवालिया के हित के वैधानिक हस्तांतरण के रूप में आधिकारिक समनुदेशिती को

B. मुकदमे की विषय-वस्तु में दिवालिया के हित के गैर-वैधानिक हस्तांतरण के रूप में आधिकारिक समनुदेशिती को

C. दोनों (1) व (2) विकल्प

D. इनमें से कोई नहीं

119. सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908-निम्नलिखित में से कौन सा मामला/ से मामले सिविल न्यायालय की अधिकारिता के अपवर्जन को नियंत्रित करने के लिए सिद्धांत प्रतिपादित करता करते हैं -

A. धूलाभाई और अन्य बनाम मध्य प्रदेश राज्य एवं एक अन्य ए आई आर 1969 एस सी 78

B. प्रीमियर ऑटोमोबाइल्स लिमिटेड बनाम कमलेश्वर शांताराम वडके (1976) 1 एस सी सी 496

C. राजस्थान राज्य सड़क परिवहन निगम एवं एक अन्य बनाम कृष्ण कांत एवं अन्य (1995) 5 एस सी सी 75

D. उपरोक्त सभी

120. भारत का संविधान-भारत के संविधान के प्रारंभ पर प्रत्येक व्यक्ति भारतीय नागरिक होगा, जिसका भारत के राज्यक्षेत्र में अधिवास है और.....

A. जो भारत के राज्यक्षेत्र में जन्मा था।

B. जिसके माता या पिता में से कोई भारत के राज्यक्षेत्र में जन्मा था।

C. जो ऐसे प्रारंभ से ठीक पहले कम से कम पांच वर्ष तक भारत के राज्यक्षेत्र में मामूली तौर से निवासी रहा है।

D. उपरोक्त सभी।

**सामान्य ज्ञान (Total -10 Questions) (Q. No. 121 - 130)**

121. सामान्य ज्ञान - शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) एक अंतरसरकारी पारस्परिक सुरक्षा संगठन है जिसकी स्थापना 2001 में किस देश के नेताओं द्वारा की गई थी ?

A. चीन, मलेशिया, वियतनाम

B. चीन, सिंगापुर, रूस, इंडोनेशिया और किर्गिस्तान

C. चीन, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान, रूस, ताजिकिस्तान और उज्बेकिस्तान

D. चीन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, रूस और म्यांमार

122. सामान्य ज्ञान - परिवर्तनीय आरक्षित दरें और खुले बाजार परिचालन किस नीति के साधन हैं ?

A. राजकोषीय नीति

B. मौद्रिक नीति

C. ग्रह नीति

D. वित्तीय नीति

123. सामान्य ज्ञान - "विश्व स्वास्थ्य संगठन पारम्परिक औषधि वैश्विक केन्द्र" भारत में कहाँ स्थापित गया है ?

A. जयपुर

B. दिल्ली

C. जामनगर

D. हरिद्वार

124. सामान्य ज्ञान-राजा टोडर मल ने अकबर के शासनकाल के दौरान मानक वजन और माप, एक भूमि सर्वेक्षण और व्यवस्थापन प्रणाली, राजस्व जिलों और अधिकारियों की शुरुआत की। राजा टोडरमल ने किस अन्य शासक को अपनी सेवायें प्रदान की ?

A. शेरशाह सूरी

B. बीरबल

C. राजा मानसिंह

D. मोहम्मद बिन तुगलक

125. सामान्य ज्ञान - जिप्सम, चाक और चूना पत्थर किस प्रकार की चट्टान के उदाहरण हैं?

A. अवशिष्ट चट्टानें

B. आग्नेय चट्टानें

C. अवसादी चट्टानें

D. रूपांतरित चट्टानें

126. सामान्य ज्ञान - निम्नलिखित में से कौनसी झील भारत के दो राज्यों द्वारा साझा की जाती है ?

A. चिल्का

B. लोनार

C. पुलिकट

D. सांभर

127. सामान्य ज्ञान-सौर वायुमण्डल का अध्ययन करने के लिए हाल ही में इसरो द्वारा छोड़ा गया अंतरिक्ष यान आदित्य एल-1 पृथ्वी एवं सूर्य के मध्य जिस बिन्दु पर जाकर स्थापित हुआ है उसका नाम है -

A. लैग्रेंज बिंदु

B. शिवशक्ति बिंदु

C. सूर्यशक्ति बिंदु

D. सेंट्रिपेटल बिंदु

128. सामान्य ज्ञान - "मानव पर्यावरण" पर स्टॉकहोम सम्मेलन किस वर्ष आयोजित किया गया था ?

A. 1973

B. 1972

C. 1992

D. 1942

129. सामान्य ज्ञान - "हिंगलाजगढ़ किला" मध्य प्रदेश के किस जिले में स्थित है ?

A. बुरहानपुर

B. मन्दसौर

C. छतरपुर

D. टीकमगढ़

130. सामान्य ज्ञान - राजतरंगिणी" पुस्तक के लेखक हैं:

A. विशाखदत्त

B. कल्हण

C. भास

D. कालिदास

## Computer Knowledge And English Knowledge (Total - 20 Questions) (Q. No. 131 - 150)

131 Computer Knowledge - Ctrl, Alt and Shift are called which type of …… Keys.

A. modifier

B. function

C. alphanumeric

D. adjustment

132. Computer Knowledge - Full form of GUI is-

A. Google usual internet

B. Google user interface

C. Graphical user interface

D. Global user internet

133. Computer Knowledge - An alternative name for the completely interconnected network topology is:

A. mesh

B. tree

C. star

D. ring

134. Computer Knowledge - Size of IP address in Ipv4 is-

A. 32 bit

B. 128 bit

C. 64 bit

D. 16 bit

135. Computer Knowledge - What are the two parts of e-mail address:

A. user name and street address

B. legal name and phone number

C. initials and password

D. user name and domain name

136 Computer Knowledge - Trace Mechanism is a-

A. file compression

B. disk fragmentation

C. file encryption

D. debugging tool

137. Computer Knowledge: Amongst of these, Which is the largest unit of storage?

A. YB

B. EB

C. ZB

D. PB

138 Computer Knowledge - A special type of device which uses an ordinary telephone with a computer is

A. light pen

B. mouse

C. acoustic coupler

D. touch panel

139 English Knowledge - I gave him a piece of my mind.

A. expressed anguish

B. trusted him

C. expressed love

D. fell in love

140 English Knowledge - Person leading a life of strict self-discipline is-

A. hedonist

B. disciplinarian

C. atheist

D. ascetic

141 English Knowledge - The concluding part of a literary work is called-

A. conclusion

B. epilogue

C. epigraph

D. epitaph

142. English Knowledge - Fill in the blanks with the correct preposition: Her blonde hair was hidden ..... a cap.

A. above

B. underneath

C. on

D. at

143. English Knowledge - Identify the tense in the given Sentence: He had been keeping it in a safety deposit box at the Bank of America.

A. past perfect

B. past perfect continuous

C. simple past

D. present perfect

144. English Knowledge-Choose the correct spelling from the given words -

A. labyrinth

B. labyrinth

C. lebyrenth

D. lebyrieth

145. English Knowledge-Identify the Sentence in the Active Voice -

A. Researchers usually classify elements as metals or non-metals.

B. Elements are usually classified as Metals or Non-Metals.

C. He was arrested by the police.

D. The rat was killed by the cat.

146. English Knowledge - The faculty for myth is innate in the human race. "Faculty" in the above sentence most nearly:

A. capacity

B. breach of learning

C. authority

D. teaching

147. English Knowledge - Although Lily was a tractable young woman, she had a streak of defiance. In the above sentence, "Tractable" is closest in the meaning -

A. malleable

B. wilful

C. inelastic

D. steady

148. English Knowledge - ————————. we should spend more money on education.

A. in my thinking

B. As my opinion

C. according to me

D. in my opinion

149. Computer Knowledge - Which of the following is used to close a tab on a browser?

A. Ctrl + Y

B. Ctrl + A

C. Ctrl + W

D. Ctrl + T

150. Computer Knowledge - The output quality of a printer is measured by

A. data per Sq. inch

B. dot per inch

C. dots printed per unit time

D. all of the options

# MP CIVIL-JUDGE PRELIMINARY EXAM-2024 ANSWER KEY

| Que. | Ans. | Que. | Ans. | Que. | Ans. | Que. | Ans. | Que. | Ans. |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | A | 31 | A | 61 | B | 91 | A | 121 | C |
| 2 | B | 32 | D | 62 | A | 92 | A | 122 | B |
| 3 | B | 33 | B | 63 | A | 93 | A | 123 | C |
| 4 | A | 34 | A | 64 | B | 94 | A | 124 | A |
| 5 | C | 35 | A | 65 | C | 95 | D | 125 | C |
| 6 | B | 36 | B | 66 | D | 96 | D | 126 | C |
| 7 | B | 37 | B | 67 | C | 97 | C | 127 | A |
| 8 | C | 38 | A | 68 | A | 98 | D | 128 | B |
| 9 | C | 39 | D | 69 | C | 99 | D | 129 | B |
| 10 | C | 40 | D | 70 | A | 100 | C | 130 | B |
| 11 | A | 41 | D | 71 | B | 101 | D | 131 | A |
| 12 | B | 42 | A | 72 | B | 102 | A | 132 | C |
| 13 | D | 43 | D | 73 | A | 103 | C | 133 | A |
| 14 | D | 44 | C | 74 | B | 104 | D | 134 | A |
| 15 | B | 45 | D | 75 | C | 105 | A | 135 | D |
| 16 | C | 46 | C | 76 | A | 106 | B | 136 | D |
| 17 | A | 47 | B | 77 | D | 107 | D | 137 | A |
| 18 | A | 48 | C | 78 | A | 108 | A | 138 | C |
| 19 | A | 49 | C | 79 | A | 109 | B | 139 | A |
| 20 | C | 50 | D | 80 | A | 110 | A | 140 | D |
| 21 | B | 51 | A | 81 | C | 111 | A | 141 | B |
| 22 | D | 52 | D | 82 | D | 112 | C | 142 | B |
| 23 | B | 53 | D | 83 | D | 113 | A | 143 | B |
| 24 | C | 54 | B | 84 | A | 114 | B | 144 | A |
| 25 | A | 55 | C | 85 | A | 115 | C | 145 | A |
| 26 | B | 56 | C | 86 | C | 116 | A | 146 | A |
| 27 | B | 57 | A | 87 | C | 117 | D | 147 | A |
| 28 | C | 58 | A | 88 | A | 118 | A | 148 | D |
| 29 | C | 59 | A | 89 | B | 119 | D | 149 | C |
| 30 | D | 60 | D | 90 | B | 120 | D | 150 | B |

https://www.pyqonline.com